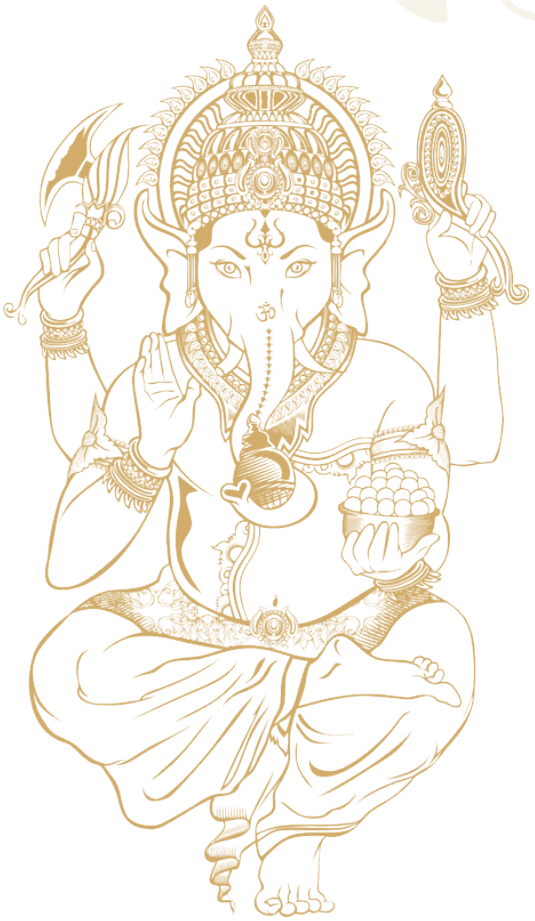

Avadh Bihari Pandey

17 Sep 1997

Model: web-freenumerology

Order No: 119716204

अंक ज्योतिष फल

नाम	Avadh Bihari Pandey
जन्म तिथि	17/09/1997
मूलांक	8
भाग्यांक	7
नामांक	8
मूलांक स्वामी	शनि
भाग्यांक स्वामी	नेप/केतु
नामांक स्वामी	शनि
मित्र अंक	1, 4, 7
शत्रु अंक	3, 6
सम अंक	2, 5, 9
मुख्य वर्ष	2006,2015,2024,2033,2042,2051,2060,2069
शुभ आयु	9,18,27,36,45,54,63,72
शुभ वार	शनि, रवि, सोम
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	8, 17, 26
शुभ रत्न	नीलम
शुभ उपरत्न	जमुनिया,लाजवर्त
अनुकूल देव	भैरव
शुभ धातु	लौह
शुभ रंग	काला
मंत्र	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः
शुभ यंत्र	राहु यंत्र

13	8	15
14	12	10
9	16	11

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। आठ मूलांक का स्वामी शनि है। अंक एक का सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने के बाद अवरोध आयेंगे। जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दुबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुये आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगा। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति, विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आप में दूसरों को समझनें की शक्ति अच्छी होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि को प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश तथा लाभ प्राप्त होगा।

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगे एवं उच्चवर्ग से लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अड़िग रहने की प्रवृत्ति आप में पाई जायेगी। आप थोड़े हठी होंगे। हठ की यह प्रवृत्ति यदाकदा आपको हानि भी पहुँचायेगी। अतः जहाँ तक हो सके आप अपने हठ पर सन्तुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य केतु शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल व्यक्ति रहेंगे। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिये उदाहरण का कार्य करेगी।

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।